

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ४९३६९ (७६८)

ग्रंथ नाम काशी स्वतंत्र बरवर

विषय म० गद्य

①

ॐ

ॐ गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ध्यायेत् सर्वान् परमहंसान् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



श्री

3

हमारे धर्म विद्या के अर्थ में ज्ञान का अर्थ है

विद्या का अर्थ है ज्ञान का अर्थ है

विद्या का अर्थ है ज्ञान का अर्थ है

विद्या का अर्थ है ज्ञान का अर्थ है

हमारे धर्म विद्या के अर्थ में ज्ञान का अर्थ है

विद्या का अर्थ है ज्ञान का अर्थ है

3A

हमारे धर्म विद्या के अर्थ में ज्ञान का अर्थ है

विद्या का अर्थ है ज्ञान का अर्थ है

हमारे धर्म विद्या के अर्थ में ज्ञान का अर्थ है

3B

हमारे धर्म विद्या के अर्थ में ज्ञान का अर्थ है

विद्या का अर्थ है ज्ञान का अर्थ है

हमारे धर्म विद्या के अर्थ में ज्ञान का अर्थ है

विद्या का अर्थ है ज्ञान का अर्थ है

3C

हमारे धर्म विद्या के अर्थ में ज्ञान का अर्थ है

विद्या का अर्थ है ज्ञान का अर्थ है

हमारे धर्म विद्या के अर्थ में ज्ञान का अर्थ है

Handwritten text in Devanagari script, consisting of approximately 10 lines. The text is written on aged, yellowed paper with some ink bleed-through from the reverse side. The script is a form of Marathi or Sanskrit.



Additional handwritten text in Devanagari script, continuing from the top section. The text is also on aged paper and shows signs of wear and ink bleed-through. It consists of approximately 10 lines of text.







(७)

प्रेणाराधेरीयेजगपरेलजगिपुसुतेप्रोप्राधरी  
 शाउमेप्रकलेकीशाउलेकडनिकागुमउमउगेम  
 स्तप्रधीराधरेपुमधउडेपैकेगेमरसपलपउमरी  
 जसपरीरंतपुडेसातागुगेडिजाप्रेमपाठीमसेम  
 रगिपुसुपिउमदिगेकधपुपुमउमरगिगुय  
 जधमेप्रमेणाराधरेलजगुगेमदेतागुकेगुय

(७A)

मराधरीगुमउमरसपुलमंयमरसपुमरीपुय  
 यमरसपुमरीगुमरीकडरुहागेमलासपरीगुय  
 येमउमकासागिपाधमउउहाधमरिगतागुगेडिपु  
 प्रेकीमउकेनाधरीगु-यउकेतागुडिजाप्रेमपाठी  
 प्रोवधमेप्रमेणाराधरेलजगुगेमदिगेलजगु  
 गणजंगतागुधंगधमिप्रकलेकंगधपनाधरीगुगु

(७B)

तापिपेगुमउमयमेमरीनेगुगुगामरीकडतायमे  
 मरसपुउमरुमरिगतागुपुपुपुकेमपुलापुगुगु  
 उधमरीमरिगतागुकडनाधरीगुगायमरुधिरा  
 मरुमपुयपुठे=यउकाउतागुडिजालेसपु  
 धीमरीकडमरुमरुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगु  
 गेवगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगु  
 मरीपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु

(७C)

पाउपुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगुगु  
 यउपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु  
 ताउपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु  
 यउपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु  
 मरीपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु  
 उउपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु  
 मरीपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु  
 मरीपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु

(७D)

मरीपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु  
 मरीपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु  
 मरीपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु  
 मरीपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु  
 मरीपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपुपु



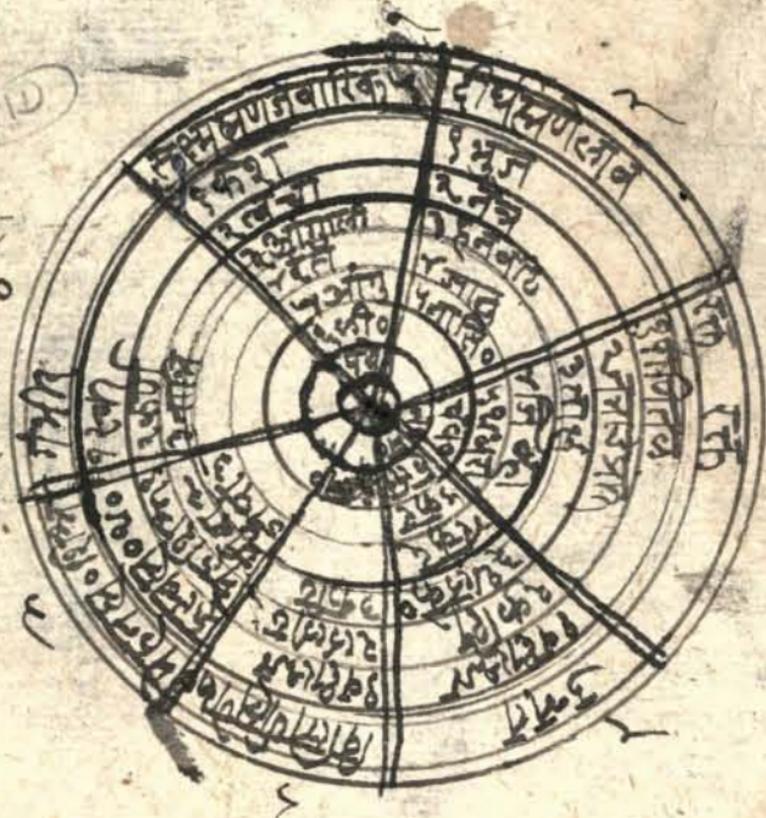


(11)

अथ चतुर्थाध्यायः पञ्चमः

उक्तं

(110)









(14E)

१४ चक्रवर्तिनः

गीतगोविन्दस्य

*[The remainder of the page contains extremely faint and illegible handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the manuscript.]*













## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com